# अफगानिस्तान को हराकर फाइनल में भारत

**हरारे, 4 फरवरीआरोन जॉर्ज की शतकीय पारी और भारतीय बल्लेबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर भारत ने अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर आईसीसी अंडर-19 वनडे विश्व कप 2026 के फाइनल में प्रवेश कर लिया.**

बुधवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने 310 रनों के लक्ष्य को महज 41.1 ओवर में हासिल कर लिया. इस जीत के साथ भारतीय टीम लगातार छठी बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है. अब खिताबी मुकाबले में भारत का सामना छह फरवरी को इंग्लैंड से होगा.

## 310 रनों को महज 41.1 ओवर में किया हासिल

आईसीसी अंडर-19 वनडे विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने एक बार फिर अपने दबदबे को साबित करते हुए अफगानिस्तान को सात विकेट से मात दी.

हरारे में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने निर्धारित 50 ओवरों में चार विकेट खोकर 310 रन बनाए. इसके जवाब में भारतीय टीम ने दमदार बल्लेबाजी करते हुए लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया. अफगानिस्तान की शुरुआत संभली हुई रही. टीम के बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ संयम और आक्रामकता का अच्छा संतुलन दिखाया. मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया, जिसके चलते अफगानिस्तान 300 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रहा. भारतीय गेंदबाजों ने बीच-बीच में विकेट जरूर निकाले, लेकिन वे रन गति पर पूरी तरह से अंकुश नहीं लगा सके. 311 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही. ओपनर वैभव सूर्यवंशी और आरोन जॉर्ज ने टीम को मजबूत आधार दिया. दोनों बल्लेबाजों ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए शुरुआती ओवरों में ही रन गति को तेज कर दिया. वैभव सूर्यवंशी अपनी पुरानी फॉर्म में नजर आए और उन्होंने अफगान गेंदबाजों पर जमकर प्रहार किया.

वैभव सूर्यवंशी ने मात्र 33 गेंदों में नौ चौकों और चार छक्कों की मदद से 68 रन बनाए. उनकी इस तेजतर्रार पारी ने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया. हालांकि, वह अपनी पारी को और लंबा नहीं खींच सके और आउट हो गए.

> हालांकि, आरोन जीत से कुछ देर पहले आउट हो गए, लेकिन तब तक भारत मैच लगभग अपने नाम कर चुका था. इसके बाद विहान मल्होत्रा और वेदांत त्रिवेदी ने बिना किसी दबाव के बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत दिलाई. विहान मल्होत्रा ने 47 गेंदों में नाबाद 38 रन बनाए, जबकि वेदांत त्रिवेदी छह गेंदों में पांच रन बनाकर नाबाद लौटे. अफगानिस्तान की ओर से नूरिस्तानी ओमरजई ने दो विकेट लिए, जबकि वाहिदुल्लाह जादरान को एक सफलता मिली. हालांकि, अफगान गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजों पर ज्यादा दबाव नहीं बना सके, जिसका खामियाजा टीम को हार के रूप में भुगतना पड़ा. इस जीत के साथ भारतीय अंडर-19 टीम ने लगातार छठी बार विश्व कप के फाइनल में पहुंचकर अपनी निरंतरता और मजबूती का परिचय दिया है. टूर्नामेंट में अब तक टीम का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है और युवा खिलाड़ियों ने हर विभाग में शानदार खेल दिखाया है.

### एक नजर में

## मरिने ने फिटनेस, टीम में एकजुटता पर ज़ोर दिया

**नई दिल्ली.** भारतीय महिला हॉकी टीम के चीफ कोच शुअर्ड मरिने, जो चार साल के ब्रेक के बाद दिसंबर 2025 में महिला प्रोग्राम में लौटे थे, ने इस बात पर जोर दिया है कि उनका अभी का फोकस अच्छी तरह से तय है. लॉस एंजेलिस ओलंपिक साइकिल में बड़े असाइनमेंट पर नज़र रखते हुए, डचमैन ने टीम में मजबूत केमिस्ट्री बनाने और साथ ही पूरी टीम में फिटनेस स्टैंडर्ड को बढ़ाने के महत्व पर ज़ोर दिया है. शुअर्ड मरिने ने साई को बताया, 'अभी हमारी पहली प्राथमिकता फिटनेस है, जो हमारे लिए बहुत ज़रूरी है. इसके साथ ही, हमारा फोकस एक साथ आने और एक मजबूत यूनिट के तौर पर काम करने पर है.

## मनीषा और भवनीश ने हासिल किया शीर्ष स्थान

**नयी दिल्ली.** डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित शॉटगन राष्ट्रीय चयन ट्रायल 1 और 2 में महिलाओं के ट्रैप टी1 में मनीषा कीर और पुरुषों के ट्रैप टी1 में भवनीश मेंदीरत्ता ने शीर्ष स्थान हासिल किया. महिलाओं के फाइनल में मनीषा कीर ने 27 टारगेट हिट कर नीरू धांडा (25 हिट्स) को पीछे छोड़ा. आशिमा अहलावत 20 हिट्स के साथ तीसरे स्थान पर रहीं. क्वालिफिकेशन में कीर्ति गुप्ता ने 118 का स्कोर कर शीर्ष स्थान हासिल किया, हालांकि फाइनल में वह सातवें स्थान पर रहीं. राजेश्वरी कुमारी और आशिमा अहलावत ने 114 का स्कोर किया. इसके बाद प्रीति रजक (113), मनीषा कीर (110), नीरू धांडा (109), वर्षा वर्मन (107) और शगुन चौधरी (106) ने शीर्ष आठ में जगह बनाई.

## कपिल देव ने की पाक के फैसले की आलोचना

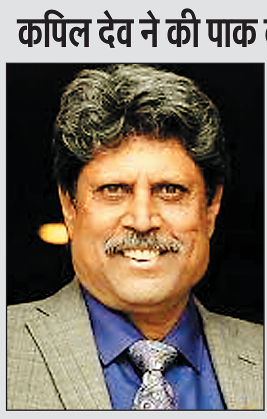

**नयी दिल्ली.** भारत के पूर्व वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव ने आने वाले वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट करने के पाकिस्तान के फैसले की आलोचना की है. इससे पहले, देश की सरकार ने टीम को टूर्नामेंट खेलने के लिए कहा था; हालांकि, उसने भारत के खिलाफ नहीं खेलने के लिए कहा. कपिल देव ने कहा कि अगर यह फैसला खिलाड़ियों की तरफ से आता, तो इस पर विचार किया जा सकता था, लेकिन जैसा कि यह बोर्ड की तरफ से आ रहा था, उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों की पीढ़ी खत्म हो जाएगी और यह भी कहा कि लोग उनसे आगे बढ़ जाएंगे. कपिल देव ने एक समाचार चैनल पर कहा, 'अगर फैसला खिलाड़ियों ने लिया है, तो वे सामने आकर कह सकते हैं. लेकिन, अगर बोर्ड कहता है कि आप नहीं खेलेंगे, तो देश की रेप्युटेशन कम होती है. पाकिस्तान के लिए यह अच्छा नहीं लग रहा है. आप पीढ़ी को खत्म कर रहे हैं. पाकिस्तान ने हमें इतने सालों में शानदार टैलेंट दिया है. लेकिन अगर आप इन लड़कों को वर्ल्ड कप में खेलने नहीं देंगे, तो आप पीढ़ी को खत्म कर रहे हैं और खेल को नुकसान पहुंचा रहे हैं.

## हर सफर में दम है : नजर आएंगे क्रिकेट के सितारे

**गुरुग्राम.** भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य स्पॉन्सर अपोलो टायर्स ने आज अपना नया ब्रांड कैंपेन, 'हर सफर में दम है' शुरू किया. इस कैंपेन में क्रिकेट आइकन सचिन तेंदुलकर के साथ टीम इंडिया के क्रिकेटर विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल, शुभमन गिल और अर्शदीप सिंह ऑफिशियल टीम इंडिया जर्सी में नजर आएंगे. एक भावुक ब्रांड फिल्म के साथ चलाया जा रहा यह कैंपेन भारतीय क्रिकेट की चिरस्थायी भावना और अपोलो की फिलॉसफी के बीच समानता को पेश करता है. मशहूर फिल्म निर्माता, अभिनय देव द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ए.आर. रहमान के प्रतिष्ठित गीत, 'मां तुझे सलाम' के साथ इन चारों क्रिकेटरों के बचपन से लेकर अब तक का सफर और उनके परिवारों को दिखाया गया है, जिन्होंने उनके क्रिकेटर बनने का सपना सच करने के लिए हर मुश्किल का सामना किया, पर देश के गौरव को हमेशा सबसे ऊपर रखा.

# यामाल का टूर्नामेंट में पहला गोल

## अलबासेटे की चुनौती पार कर डिफेंडिंग चैंपियन बार्सिलोना अंतिम चार में

### वें मिनट में मोरेनो का सांत्वना गोल

**मैड्रिड, 04 फरवरी कोपा डेल रे के क्वार्टरफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन बार्सिलोना ने अलबासेटे को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली. मैड्रिड में खेले गए इस मुकाबले में किशोर सनसनी लामिन यामाल ने पहला गोल दागा, जबकि मार्कस राशफोर्ड ने कॉर्नर से असिस्ट देकर रोनाल्ड अराउजो के हेडर में अहम भूमिका निभाई.**

अंत में जावी मोरेनो ने 87वें मिनट में गोल कर अलबासेटे को उम्मीद दी, लेकिन बार्सा ने बढ़त बचाए रखते हुए अंतिम चार का टिकट कटाया. यह मुकाबला 2005 के बाद दोनों टीमों की पहली भिड़ंत था. हांसी फ्लिक की टीम ने शुरुआत से ही गेंद पर नियंत्रण रखा और मौके बनाते रहे, हालांकि ऑन-टारगेट शॉट के लिए उन्हें 39वें मिनट तक इंतजार करना पड़ा. उससे पहले आठवें मिनट में राशफोर्ड को दानी ओल्मो के शानदार पास पर मौका मिला, लेकिन उनका शॉट लक्ष्य से बाहर चला गया. यामाल का सटीक वार 39वें मिनट में बार्सिलोना की मेहनत रंग लाई. फ्रेंकी डी जोंग और राशफोर्ड ने

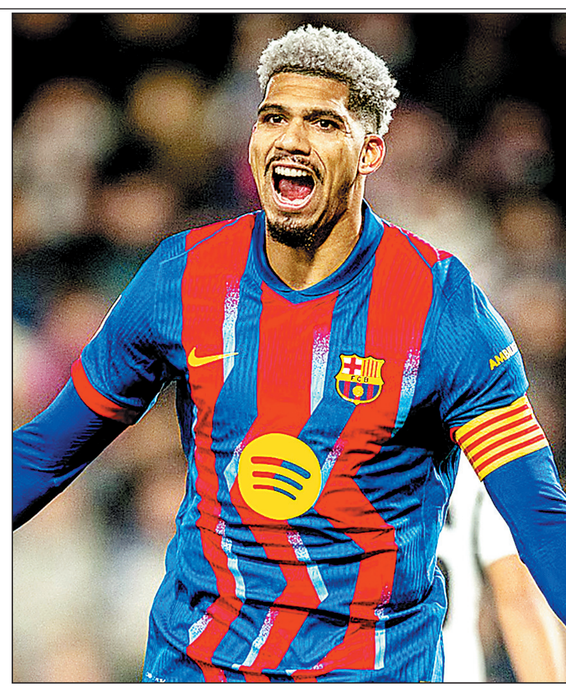

विपक्षी हाफ में हाई प्रेस से गेंद छीनी. गेंद यामाल के पास पहुंची और 18 वर्षीय स्पेनिश स्टार ने एक टच में कर्लिंग फिनिश से गोलकीपर राउल लिजोआइन को छकाते हुए जाल में गेंद पहुंचा दी. यह इस सीजन में उनका 14वां गोल था और कोपा डेल रे में पहला. इस गोल ने बार्सा को बढ़त दी, लेकिन अलबासेटे की

### मोरेनो ने हेडर लगाकर स्कोर 2-1 किया

राशफोर्ड के कॉर्नर पर रोनाल्ड अराउजो ने शानदार हेडर लगाकर स्कोर 2-0 कर दिया. राशफोर्ड इस सीजन में गोल और असिस्ट दोनों में डबल फिगर तक पहुंचने वाले ला लीगा के सिर्फ तीसरे खिलाड़ी बन गए. मैनचेस्टर यूनाइटेड से लोन पर आए इंग्लैंड के इस फॉरवर्ड का प्रभाव पूरे मैच में साफ दिखा. अलबासेटे की वापसी की कोशिश अलबासेटे की 'फेयरीटेल' यात्रा यहीं थमती दिख रही थी, लेकिन टीम ने हार नहीं मानी. 87वें मिनट में जोसे कार्लोस लाजो के क्रॉस पर डिफेंडर जावी मोरेनो ने हेडर लगाकर स्कोर 2-1 कर दिया.

> स्टेडियम में रोमांच लौट आया और आखिरी मिनटों में बार्सा पर दबाव बढ़ गया. इंजरी टाइम में फेरान टोरेस ने एक और गोल किया, लेकिन वह ऑफसाइड करार दिया गया. इसके बावजूद बार्सिलोना ने संयम बनाए रखा और अंतिम सीटी के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली. रणनीति और नियंत्रण हांसी फ्लिक की टीम ने पूरे मैच में पजेशन-आधारित फुटबॉल खेला. मिडफील्ड में डी जोंग और ओल्मो ने खेल की रफ्तार नियंत्रित की, जबकि विंग्स पर राशफोर्ड और यामाल ने चौड़ाई और गति दी.

रक्षापंक्ति ने उसके बाद काफी देर तक दबाव झेला और टीम को मैच में बनाए रखा. घरेलू दर्शकों के सामने सेकेंड डिवीजन की इस टीम ने अनुशासन और जज्बे से खेल दिखाया. राशफोर्ड का प्रभाव, अराउजो का हेडर दूसरे हाफ की शुरुआत में ही राशफोर्ड ने अपनी गति और ड्रिब्लिंग से रक्षा को तोड़ा. 47वें मिनट में उन्होंने एक शानदार सोलो रन बनाया, जिसका फायदा उठाते हुए ओल्मो ने बॉक्स के अंदर से शॉट लिया, लेकिन दानी बेर्नाबेउ ने लाइन से क्लियर कर दिया. हालांकि बार्सा को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा.

## सचिन ने खिलाड़ियों को किया प्रेरित

**मुंबई. क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर ने मुंबई रणजी टीम से बात की और उन्हें आने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल की तैयारी के लिए मोटिवेट किया, जो बीकेसी के एमसीए ग्राउंड पर होगा.**

सचिन ने मुंबई टीम के ड्रेसिंग रूम में बाकायदा खिलाड़ियों से बात की और उन्हें बताया कि उन्हें मैदान पर क्या करना चाहिए. मुंबई की टीम रणजी ग्रुप डी में सात मैच में चार जीत और तीन ड्रा के साथ 33 अंक लेकर क्वार्टरफाइनल में पहुंच चुकी है जहां उसका मुकाबला कर्नाटक से मुंबई में होगा. शार्दुल ठाकुर और यशस्वी जायसवाल को कर्नाटक के खिलाफ छह फरवरी से शुरु होने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के लिए 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है. ठाकुर और जायसवाल दोनों अलग-अलग कारणों से पिछले कुछ मैच नहीं खेल पाए थे. ठाकुर चोट की वजह से बाहर थे, जबकि जायसवाल के न खेलने का कारण मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) को भी नहीं पता था.

## वर्ल्ड कप में होगी नेमार की वापसी

**रियो डी जेनेरो, 04 फरवरी सैंटोस के फॉरवर्ड नेमार चोट से वापसी के करीब हैं, क्योंकि वह ब्राज़ील की 2026 फीफा वर्ल्ड कप टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं.**

33 साल के नेमार ने दिसंबर में अपने बाएं घुटने की आर्थोस्कोपिक सर्जरी के बाद से कोई मैच नहीं खेला है, लेकिन इस हफ्ते पूरी ट्रेनिंग पर लौट आए हैं. बुधवार को साओ पाउलो के खिलाफ सैंटोस के घरेलू ब्राज़ीलियन सीरी ए मैच में उनके खेलने की उम्मीद कम है, हालांकि मैनेजर जुआन पाब्लो वोज्वोडा ने कहा कि वह बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व स्टार को जल्दबाज़ी में वापस नहीं लाएंगे. नेमार ने पिछले साल सभी कॉम्पिटिशन में सैंटोस के लिए 28 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 11 गोल किए और चार असिस्ट किए. अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालीफायर में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट फटने के कारण एक साल से ज़्यादा समय तक बाहर रहने के बाद उनका कैंपेन चोटिल हो गया.

## फाइनल में बंगलादेश से भिड़ेगा भारत

**पोखरा, 04 फरवरी. भारतीय अंडर17 महिला टीम ने बुधवार को पोखरा रंगशाला स्टेडियम में सैफ अंडर 19 महिला चैंपियनशिप 226 के अपने आखिरी राउंड-रॉबिन मैच में भूटान को 8-े से हराया.**

पर्ल फर्नांडीस (16', 39', 41') ने पहले हाफ में हैट्रिक बनाई, जबकि प्रीतिका बर्मन (25', 90') ने हर हाफ में एक गोल किया. अलीशा लिंगदोह (6'), अभिस्ता बसनेट (10'), और दिव्यानी लिंडा (17') ने एक-एक गोल किया.

## नेवेल्स का लक्ष्य मेसी की घर वापसी

**ब्यूनस आयर्स, 04 फरवरी लियोनेल मेसी के बचपन के क्लब, नेवेल्स ओल्ड बॉयज ने अगले साल वर्ल्ड कप विनर को शॉर्ट-टर्म डील पर साइन करने का प्लान बताया है.**

अर्जेंटीना टीम के वाइस प्रेसिडेंट, जुआन मैनुअल मेडिना ने कहा कि क्लब ने 2024 से इस प्लान पर चर्चा की थी, लेकिन 38 साल के खिलाड़ी के साथ किसी भी सीधी बातचीत की डिटेल्स नहीं दी. मेडिना ने अर्जेंटीना के न्यूज़ आउटलेट टीएन को बताया, 'हम 2027 के पहले हाफ में नेवेल्स के लिए लियो के खेलने पर काम कर रहे हैं, लेकिन अभी के लिए इससे ज़्यादा कुछ नहीं है.' मेसी ने 1995 में नेवेल्स में अपना यूथ करियर शुरू किया और 2000 के आखिर में 13 साल की उम्र में बार्सिलोना के साथ साइन किया. अभी उनका कॉन्ट्रैक्ट दिसंबर 2028 तक इंटर मियामी के साथ है, जिसका मतलब है कि उन्हें एमएलएस क्लब से खास परमिशन लेनी होगी.

**टी20 विश्व कप 2026** घर में खेलेंगे, पर विदेशी जर्सी में उतरेंगे ; पहचान, जड़ों और सपनों का भावनात्मक संगम

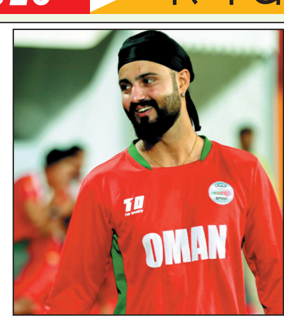

# विश्व कप में 5 धुरंधर भारतीय मूल खिलाड़ी

### टीमों में 40 भारतीय खिलाड़ी

**नई दिल्ली, 04 फरवरी. टी20 विश्व कप 2026 सिर्फ ट्रॉफी की जंग नहीं, बल्कि पहचान, जड़ों और अधूरे सपनों की कहानी भी है.**

इस बार 20 टीमों के स्क्वाड में करीब 40 खिलाड़ी ऐसे हैं जिनकी जड़ें भारत से जुड़ी हैं, लेकिन वे विदेशी जर्सी पहनकर उसी देश की धरती पर उतरेंगे जहां कभी भारत के लिए खेलने का सपना देखा था. हर रन, हर विकेट और हर ओवर उनके निजी इतिहास से जुड़ा होगा. क्रिकेट के वैश्वीकरण और भारतीय प्रवासी समुदाय की बढ़ती भूमिका का यह सबसे बड़ा उदाहरण है.

अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजीनियर, इटली में टैक्सी चलाने वाले, कनाडा में नए सिरे से करियर बनाने वाले, ओमान और नीदरलैंड्स में पहचान गढ़ने वाले इन खिलाड़ियों ने साबित किया है कि प्रतिभा सीमाओं की मोहताज नहीं होती. भारत में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण जिन रास्तों पर दरवाजे बंद हुए, उन्हीं खिलाड़ियों ने विदेशों में नए दरवाजे खोल लिए. कनाडा (11) और अमेरिका (9) इस सूची में सबसे आगे हैं. ओमान और यूएई में सात-सात, जबकि न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, इटली और नीदरलैंड्स में भी भारतीय मूल के खिलाड़ी अहम भूमिकाओं में हैं. यह परिघटना सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि उस गहराई का प्रमाण है जो भारतीय क्रिकेट टैलेंट पूल में मौजूद है. ओमान के डिप्टी कोच सुलक्षण कुलकर्णी कहते हैं, 'खिलाड़ियों को जल्दी समझ आने लगा है कि भारत में जगह बनाना कितना मुश्किल है. इसलिए वे समय रहते विकल्प तलाश लेते हैं.

> ' यही वजह है कि अब ये खिलाड़ी विश्व कप जैसे मंच पर अपनी अलग पहचान बना रहे हैं. इस विश्व कप में ऐसे कई चेहरे होंगे, जिनकी कहानी प्रेरक है. यहां हम उन पांच धुरंधर भारतीय मूल खिलाड़ियों की बात कर रहे हैं, जिन पर खास नजरें रहेंगी:
>
> 1. सौरभ नेत्रवलकर
> 2. मोनांक पटेल
> 3. जतिंदर सिंह
> 4. जसप्रीत सिंह (इटली)
> 5. आर्यन दत्त (नीदरलैंड्स)